3. उत्तम वैद्य के गुण कौन-कौन से हैं ?
What are the properties of an ideal physician.

4. रक्तपित्त के उपद्रव लिखिए।
Write down the complications of Raktapitta.

5. पुष्पित अरिष्ट कितने काल का होता हैं ?
What is the time limit of Pushpita Arishta.

6. नवनीत के गुण लिखिए।
Write the properties of Navaneeta.

7. गर्भाशय में गर्भ किस प्रकार रहता हैं ?
How garbha resides in Garbhashaya.

8. अपस्मार के भेद लिखिए।
Write down the types of Apasmara.

9. स्रोतोदुष्टि के लक्षण क्या हैं ?
What are the characteristics of Srotodushti.

10. मन के कर्म लिखिए।
Write down the functions of Mana.

11. मानसिक दोषों की चिकित्सा लिखिए।
Write down the treatment of Maanasika Dosha.

12. अर्थप्राप्ति से आप क्या समझते हैं ?
What do you understand by Arthaprapti ?

13. गर्भ की परमायु कितनी होती हैं ?
What is the maximum age of Garbha.

14. स्वप्न के भेदों के नाम लिखिए।
Write down the types of Svapna.

15. शूलनाशक यवागु के घटक लिखिए।
Write down the components of Shulanashaka Yavagu.

"प्रश्न–पत्र पर स्वयं के अनुक्रमांक (रोल नम्बर) के अतिरिक्त कुछ भी न लिखें, अन्यथा इसे अनुचित साधनों का प्रयोग माना जायेगा तथा नियमों के अनुसार कार्यवाही की जायेगी ।"

Roll No. 297.....

आयुर्वेदाचार्य (द्वितीय) व्या. चरक संहिता पू.

6

आयुर्वेदाचार्य द्वितीय व्यावसायिक मुख्य / प्रयास परीक्षा–2018

(बैचलर ऑफ आयुर्वेद मेडीसन एण्ड सर्जरी)

(दिस.-जन. 2018 में आयोजित, बैच : 2016/15/14)

नवीन पाठ्यक्रम पर आधारित

A-204 : चरक संहिता (पूर्वार्द्ध)

समय : तीन घण्टे

पूर्णांक : 100

नोट : सभी प्रश्न करने अनिवार्य है।

अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न

प्र. सं. 1 से 15 प्रश्नों के उत्तर अधिक से अधिक 20 शब्दों में दीजिये, प्रत्येक प्रश्न के 2 अंक निर्धारित है।

Q.No. 1 to 15 Answer should not be given exceed 20 words. Each question carries 2 marks.

1. आयु के लक्षण लिखिए।
   Write the characteristics of Ayu.
2. लेखनीय महाकषाय के घटक लिखिए।
   Write down the components of Lekhaneeya Mahakashaya.

निबन्धात्मक प्रश्न Long Answer questions

प्रश्न सं. 22 से 25 तक 10-10 अंक हैं उत्तर सीमा 300 शब्द

Q. N. 22 to 25 carry 10 marks each. Answer limit is of 300 words.

22. बसन्त ऋतुचर्या का वर्णन करते हुए मधुर रस के गुण कर्म बताइये।

Give a detail description of Vasanta Ritucharya. Also write the functions and properties of Madhura Rasa.

23. अष्टआहारविधि विशेषायतनों का वर्णन करते हुए महत्व लिखिए।

Describe Ashtaaharavidhivisheshaayata along with its importance.

24. अष्टत्रिक का वर्णन विस्तार से कीजिए।

Describe Ashtatrika in detail.

25. गर्भ की मासानुमासिक वृद्धि के विषय में विस्तार से लिखिए।

Give a detail account of monthly development of Garbha.

लघुत्तरात्मक प्रश्न

Write short answers of following questions.

प्रश्न सं. 16 से 21 तक 5-5 अंकों के है उत्तर सीमा 100 शब्द

Q. No. 16 to 21 carry 5 marks each. Answer limit is of 100 words.

16. छाया एवं प्रभा में अन्तर स्पष्ट कीजिए।
Differentiate between Chhaya and Prabha.

17. अतिस्थूलता से होने वाले दोषों का वर्णन कीजिए।
Give a detail account of problems arising due to obesity.

18. स्वभावोपरमवाद का वर्णन कीजिए।
Describe Svabhavoparamvada.

19. उत्तम शास्त्र के लक्षण लिखिए।
Write down the characteristics of ideal Shastra.

20. आदर्श चिकित्सा के लक्षण एवं शोष के आयतन लिखिए।
Write down the characteristics of ideal treatment and also write Shosha Ayatana.

21. सिध्म कुष्ठ एवं रक्तज गुल्म के लक्षण लिखिए।
Write down the symptoms of Sidhma kushtha and Raktaja Gulma.

14. गर्भ के पितृज भाव क्या है ?
What are Pitraj bhava of Garbha.

15. आहारपरिणामकर भावों के नाम लिखें।
Name Aharparinamkar bhava.

लघुत्तरात्मक प्रश्न

Write short answers of following questions.

प्रश्न सं. 16 से 21 तक 5-5 अंकों के है उत्तर सीमा 100 शब्द

Q. No. 16 to 21 carry 5 marks each. Answer limit is of 100 words.

16. अतिस्थूलता के निदान व चिकित्सा सिद्धांत वर्णित करें।
Explain causes and principle of treatment of "Atisthulta".

17. ग्रीष्म ऋतुचर्या का वर्णन करें ?
Explain " Garishma ritucharya".

18. रक्तज रोग और उनकी चिकित्सा का वर्णन करें।
Explain Raktaj roga and their treatment.

19. रक्तपित्त एवं प्रमेह के पूर्वरूप लिखें।
Write down Poorva roopa of Rakat Pitta and Prameha.

20. कपालकुष्ठ व कफज उन्माद के लक्षण लिखें।
Write down Lakshanas of Kapal Kushtha and Kaphaj unmad.

"प्रश्न-पत्र पर स्वयं के अनुक्रमांक (रोल नम्बर) के अतिरिक्त कुछ भी न लिखें, अन्यथा इसे अनुचित साधनों का प्रयोग माना जायेगा तथा नियमों के अनुसार कार्यवाही की जायेगी।"

Roll No. .....

आयुर्वेदाचार्य (द्वितीय) व्या. चरक संहिता पू.

6

आयुर्वेदाचार्य द्वितीय व्यावसायिक मुख्य / प्रयास परीक्षा-2018

(बैचलर ऑफ आयुर्वेद मेडीसन एण्ड सर्जरी)

(मई - जून 2018 में आयोजित, बैच : 2015/2014)

नवीन पाठ्यक्रम पर आधारित

A-204 : चरक संहिता (पूर्वार्द्ध)

समय : तीन घण्टे

पूर्णांक : 100

नोट : सभी प्रश्न करने अनिवार्य है।

अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न

प्र. सं. 1 से 15 प्रश्नों के उत्तर अधिक से अधिक 20 शब्दों में दीजिये, प्रत्येक प्रश्न के 2 अंक निर्धारित है।

Q.No. 1 to 15 Answer should not be given exceed 20 words. Each question carries 2 marks.

1. अणु तेल के निर्माण में किस के दुग्ध का प्रयोग होता है ? → च सू - 5

Whose milk is used in the preparation of "Anu tel".

2. कौन सा रस स्वयं अरूचिकर होते हुए भी भोजन में रूचि पैदा करता है ?
Which Rasa being itself "Aruchikar", creates Ruchi in the food ?

3. मधु का प्रयोग गर्म करके क्यों नहीं करना चाहिए।
Why honey should not be used after heating it.

4. किस रस के अति सेवन से अम्लपित्त होता है ?
Excessive use of which rasa causes Amal pitta ?

5. हंसोदक को परिभाषित करें।
Define Hansodak.

6. दधि प्रयोग का निषेध किन ऋतुओं में है ?
Use of Dadhi (curd) is contraindicated in which seasons ?

7. शोथ के सात उपद्रवों के नाम लिखें।
Write down names of seven complication of Shothe.

8. बालकों से द्वेष किस रोग का पूर्वरूप है ?
Aversion to children is poorav roop of which disease.

9. निदानार्थकर रोगों के चार उदाहरण दें।
Give four examples of "Nidanarthkara roga".

10. ज्वर में उष्ण जल का प्रयोग क्यों करना चाहिए।
Why hot water is indicated in Jwara.

11. प्रकृति विघात क्या है ?
What is Prakriti Vighat.

12. सिद्धांत को परिभाषित करें।
Define Siddhanta.

13. किक्किस रोग क्या है ?
What is Kikkis roga?

"प्रश्न–पत्र पर स्वयं के अनुक्रमांक (रोल नम्बर) के अतिरिक्त कुछ भी न लिखें, अन्यथा इसे अनुचित साधनों का प्रयोग माना जायेगा तथा नियमों के अनुसार कार्यवाही की जायेगी ।"

Roll No. ....

आयुर्वेदाचार्य (द्वितीय) व्या.
6

चरक संहिता पू.

आयुर्वेदाचार्य द्वितीय व्यावसायिक मुख्य / प्रयास परीक्षा–2017

(बैचलर ऑफ आयुर्वेद मेडीसन एण्ड सर्जरी)

(नव.–दिस. 2017 में आयोजित, बैच : 2015/2014)

नवीन पाठ्यक्रम पर आधारित

A-204 : चरक संहिता (पूर्वार्द्ध)

समय : तीन घण्टे

पूर्णांक : 100

नोट : सभी प्रश्न करने अनिवार्य है।

अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न

प्र. सं. 1 से 15 प्रश्नों के उत्तर अधिक से अधिक 20 शब्दों में दीजिये, प्रत्यंक प्रश्न के 2 अंक निर्धारित है।

Q.No. 1 to 15 Answer should not be given exceed 20 words. Each question carries 2 marks.

1. समवाय का लक्षण लिखियें ।
   Write the lakshan of Samvaya.
2. प्रायोगिक धूमपान के काल लिखिये ।
   Write the kaal of prayogika dhumapana.

(Cont

21. अनुमान के द्वारा किन भावों की परीक्षा होती है ?
Which bhava are being examined by Anumana ?

निबन्धात्मक प्रश्न Long Answer questions
प्रश्न सं. 22 से 25 तक 10-10 अंक हैं उत्तर सीमा 300 शब्द
Q. N. 22 to 25 carry 10 marks each. Answer limit is of 300 words.

22. वातकलाकलीय अध्याय के अन्तर्गत वर्णित विषयों का विस्तार से वर्णन करें।
Describe topics of "Veta Kala Kalia" chapter.

23. विभिन्न प्रकार के स्रोतों की दुष्टि के कारण, लक्षण व चिकित्सा का वर्णन करें।
Explain causes of vitiation of different strotas, Lakshana and their treatment.

24. गर्भोपघातकर भावों का विस्तार से वर्णन करें।
Explain in detail Garbhoupghatkara bhava.

25. इन्द्रिय स्थान का महत्व स्पष्ट करते हुए प्रथम अध्याय में वर्णित अरिष्ट लक्षणों का वर्णन करें।
What is the significance of Indriya sthan? Explain Arishtas described is the first chapter.

निबन्धात्मक प्रश्न Long Answer questions
प्रश्न सं. 22 से 25 तक 10-10 अंक हैं उत्तर सीमा 300 शब्द
Q. N. 22 to 25 carry 10 marks each. Answer limit is of 300 words.

22. शरद ऋतुर्चा का वर्णन करें।
Explain the Sharda Ritu Charya.

23. रक्तज गुल्म का निदान एवं सम्प्राप्ति को स्पष्ट करते हुए आमदोष की चिकित्सा वर्णित करें।
Describe the Nidana and Samprapti of Raktaja Gulma and explain the treatment of Ama-Dosha.

24. "यावन्तो हि लोके भावविशेषास्तावन्तः पुरुषे, यावन्तः पुरुषे तावन्तो लोके।" विस्तृत वर्णन करें।
"यावन्तो हि लोके भावविशेषास्तावन्तः पुरुषे, यावन्तः पुरुषे तावन्तो लोके।" Explain it.

25. इन्द्रिय स्थान की चिकित्सात्मक उपयोगिता का विस्तार से वर्णन करें।
Explain the utility of Indriya Sthana in Chikitsa.

लघुत्तरात्मक प्रश्न

Write short answers of following questions.

प्रश्न सं. 16 से 21 तक 5-5 अंकों के है उत्तर सीमा 100 शब्द

Q. No. 16 to 21 carry 5 marks each. Answer limit is of 100 words.

16. चरकानुसार चतुर्विध परीक्षा का वर्णन करते हुए इसकी आयुर्वेद में उपयोगिता स्पष्ट करें ।

Explain the chaturvidha pariksha according to Acharya Charka and its utility in Ayurveda.

17. संतर्पण एवं अपतर्पण से होने वाले रोग कौनसे हैं, स्पष्ट करते हुए कार्श्य व्याधि का चिकित्सा सिद्धान्त लिखिये ।

What are the diseases that arises from Santarpana and Apatarpana and write the line of treatment of Karshya Vyadi.

18. "आयुषोऽनुवृत्तिप्रत्ययभूतो भवत्यकुपितः" वर्णित करें ।

"आयुषोऽनुवृत्तिप्रत्ययभूतो भवत्यकुपितः" Explain it.

19. आहार विधि - विधान का वर्णन करें ।

Explain the Ahara Vidhi Vidhana.

20. गुरु-लघु व्याधित पुरूष को स्पष्ट करते हुए संक्षेप में कृमि रोग की चिकित्सा लिखिये ।

Explain the Guru Laghu Vyadhit Purusha and write down the treatment of Krimi - Roga.

21. टिप्पणी लिखिये -

(क) विधि - सम्प्राप्ति

(ख) प्रतिमार्गहरण चिकित्सा

Write short notes on

(a) Vidhi Samprapti

(b) Pratimargharna Chikitsa

3. बसन्त ऋतु में त्याजय आहार विहार लिखों ।
Write down the contraindication Ahara - Vihara of Basant Ritu.

4. सदवृत्त से होने वाले लाभ लिखें ।
Write the benefits of Sadvritta.

5. अतिनिद्रा की चिकित्सा लिखिये ।
Write the treatment of Ati-Nidra.

6. परिहार विरूद्ध क्या हैं ? समझाइये ।
What is Parihar Viruddha ? Explain it.

7. रक्तज रोग का चिकित्सा सूत्र लिखिये ।
Write the line of treatment of Raktaja Roga.

8. हित एवं अहित आयु का लक्षण लिखिये ।
Write the lakshana of Hita - Ahita Ayu.

9. प्रमेह व्याधि के पूर्वरूप लिखिये ।
Write the puravrupa of Prameha Vyadhi.

10. निदानार्थकर रोग को सोदाहरण स्पष्ट करें ।
Explain the Nidana arthakar Roga with example.

11. प्राणवह स्रोतोदुष्टि का हेतु लिखों ।
Write the causes of Pranavaha Srotodushti.

12. रक्तज कृमियों के नाम लिखिये ।
Write the names of Raktaja Krimi.

13. सिद्धान्त के भेद लिखिये ।
Write the types of Siddhanta.

14. शारीर-वृद्धिकर भाव लिखिये ।
Write the Sharir Vridhikara Bhava.

15. निमित्तानुरूपा विकृति क्या हैं ? लिखें ।
Explain the Nimit Anurupa Vikriti.

"प्रश्न–पत्र पर स्वयं के अनुक्रमांक (रोल नम्बर) के अतिरिक्त कुछ भी लिखें, अन्यथा इसे अनुचित साधनों का प्रयोग माना जायेगा तथा नियमों के अनुसार कार्यवाही की जायेगी।"

Roll No. 356

आयुर्वेदाचार्य (द्वितीय) व्या.

चरक संहिता पू

6

आयुर्वेदाचार्य द्वितीय व्यावसायिक मुख्य परीक्षा–2016
(बैचलर ऑफ आयुर्वेद मेडीसन एण्ड सर्जरी)

(नव.-दिस. 2016 में आयोजित, बैच 2014)

नवीन पाठ्यक्रम पर आधारित

A-204 : चरक संहिता (पूर्वार्द्ध)

समय : तीन घण्टे

पूर्णांक : 100

नोट : सभी प्रश्न करने अनिवार्य है।

अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न

प्र.सं. 1 से 15 प्रश्नों के उत्तर अधिक से अधिक 20 शब्दों में दीजिये, प्रत्येक प्रश्न के 2 अंक निर्धारित है।

Q.No. 1 to 15 Answer should not be given exceed 20 words. Each question carries 2 marks.

1. चरक सम्मत पंच कषाय योनियों के नाम लिखिये।
   Write the name of Panch Kashya Yonis.
2. चरकानुसार मात्रापूर्वक आहार के नाम लिखिये।
   Write the benefits of "Matra Purvk Aahara" according to Charak.

3. चरक सम्मत द्रव्य वर्गीकरण का वर्णन कीजिये।
Describe the classification of drug according to Charak.

4. चरक सम्मत स्थौल्य और कार्श्य का चिकित्सा क्रम लिखिये।
Write the line of treatment of Staulya and Karshya according to Charak.

5. चरक सम्मत अधारणीय वेगों के नाम लिखिये।
Write the name of "Non Suppressible urges" according to Charak.

6. शरद ऋतु में त्याज्य आहार विहार लिखिये।
Write the things which are contra indicated during Sharad ritu.

7. चतुर्विध स्नेहों का वर्णन करते हुए निदानार्थकर रोग का वर्णन कीजिये।
Describe the Chaturvidh Shaneha while write the Nidanarthkar roga.

8. चरक संहिता में वर्णित इन्द्रिय स्थानोक्त पूर्वरूप विषयक अरिष्ट लिखिये।
Write the arishta of 'Purve Rupa' as mentioned in Charak Samhita.

9. 'निमित्तानुरूपा' 'विकृति की परिभाषा लिखिये।
Write definition of "Nimittanurupa Vikriti".

10. इन्द्रिय विषयक अरिष्ट के सामान्य सिद्धान्त लिखिये।
Write the general Siddhants of 'Indriya' arishta.

11. चरक सम्मत मल-मूत्र विषयक अरिष्ट लिखिये।
Write the arishta of "Mal- Mutra" according to Charak.

12. चरक सम्मत ''त्रि पक्षीय'' अरिष्ट लिखिये।
Write the arishta of "Tri Paksha" according to Charak.

20. हेतु और व्याधि में भेद प्रदर्शन पूर्वक गुल्म रोग की सम्प्राप्ति लिखिये।
While writing the difference between 'Hetu' and 'Vyadhi' describe the Samprapti of Gulma Roga.

21. टिप्पणी लिखिये -
(अ) प्रज्ञा - पराध (ब) प्रकृति - विकृति
Write short notes -
(a) Pragyaparadh (b) Prakriti - Vikriti

निबन्धात्मक प्रश्न Long Answer questions
प्रश्न सं. 22 से 25 तक 10-10 अंक हैं उत्तर सीमा 300 शब्द
Q. N. 22 to 25 carry 10 marks each. Answer limit is of 300 words.

22. स्मृति के कारणों का उल्लेख करते हुए, मन के लक्षण, गुण, विषय एवं ज्ञानोत्पत्ति क्रम लिखिये।
While writing the karan of Smriti describe the lakshan, guna and vishya of Mana avam gyanotpatti kram.

23. दशविध परीक्ष्य भावों का चिकित्सा शास्त्र में महत्व प्रतिपादित कीजिये।
Describe applied aspect of Ten points investigation in medicine.

24. राशि पुरूषोत्पत्ति तथा रोगोत्पत्ति विषयक सम्भाषा परिषद का विस्तार से विवेचन कीजिये।
Detail describe the symposium on origin of Man & Disease.

25. टिप्पणी कीजिये -
(अ) साग्नि स्वेद (ब) अन्नपान विषयक परीक्ष्य
Write short notes -
(a) Sagni Sweda
(b) Factors to be examined regarding diets

13. निदान स्थानोक्त ज्वर के पूर्वरूप लिखिये ।
Write the 'Purva rupa' of Jwara as mentioned in Charak Nidan Sthana ?

14. चरकोक्त कुष्ठ द्रव्य सप्तक लिखिये ।
Write the dravya saptak of Kustha as mentioned by Charak in Nidan Sthan.

15. चरकोक्त त्रिस्त्रैषणायें वर्णित कीजिये ।
Describe the three Pursuits according to Charak.

लघुत्तरात्मक प्रश्न

Write short answers of following questions.

प्रश्न सं. 16 से 21 तक 5-5 अंकों के है उत्तर सीमा 100 शब्द

Q. No. 16 to 21 carry 5 marks each. Answer limit is of 100 words.

16. छाया एवं प्रभा में भेद प्रदर्शित करते हुए प्रभा के कारण और भेद को वर्णित कीजिये ।
While writing the difference between Chaya and Prabha describe the type and karan of Prabha.

17. अष्ट आहार विधि विशेषायतन का वर्णन कीजिये ।
Describe the Ashta Aahar Vidhi vesheshaytan.

18. रक्त-पित्त के मार्ग एवं चिकित्सा सूत्र वर्णन करते हुए जीर्ण ज्वर में घृत के महत्व को प्रतिपादित कीजिये ।
While writing the marga of Rakt-Pitta and line of treatment describe the importance of Ghrit in "Jirana Jwara".

19. चरकानुसार पथ्यापथ्य ग्रहण - त्याग क्रम विधि का विवेचन कीजिये ।
Describe the method of gradual acquirement of wholesome and withdrawal of unwholesome habits.